1.

नर्मदा यात्रा गान

आओ मिलकर प्रण लें सारे, शपथ उठाएं भैया।
निर्मल, स्वच्छ सर्वदा पावन रहे नर्मदा मैया।।

यह प्रदेश की जीवन रेखा, संस्कृति है धारा।
इसको संरक्षित करने का, है संकल्प हमारा।।
बनी रहे हम सब के ऊपर इसकी शीतल छैंया।
निर्मल, स्वच्छ सर्वदा पावन रहे नर्मदा मैया।।

गांव-गांव में, घर-घर में पहुंचे संदेश हमारा।
मिलकर आओ साथी सारे, माँ ने हमे पुकारा।।
कर्ज चुकाने का यह मौका, चूक ना जाए भैया।
निर्मल, स्वच्छ सर्वदा पावन रहे नर्मदा मैया।।

''नमामि देवी नर्मदे'' का घोष बड़ा ही प्यारा।
हर तट पर फैले हरियाली, चमके हर एक किनारा।।
आने वाले युगों-युगों तक रुके ना इसकी धारा।
जन अभियान को सफल बनाएं, है कर्तव्य हमारा।।

इसके जल में कंकर, शंकर, इसी में कृष्ण-कन्हैया।
निर्मल, स्वच्छ सर्वदा पावन रहे नर्मदा मैया।।
आओ मिलकर प्रण लें सारे, शपथ उठाएं भैया।
निर्मल, स्वच्छ सर्वदा पावन रहे नर्मदा मैया।।

2.

नर्मदा यात्रा गान

मात नर्मदा के प्रति हमको अपना फर्ज निभाना है
करें प्रदूषण मुक्त, तटों पर चादर हरी उगाना है।

शिव के तप से बहा स्वेद, हर प्राणी का कल्याण हुआ
भुक्ति, मुक्ति, आनन्द धार का दिव्य नर्मदा नाम हुआ।
पापनाशिनी, पुण्यदायिनी, मोक्ष प्रदाता है मैया
सदियों से तन, मन, जीवन की तृप्ति प्रदाता है मैया।

हमको मां के उपकारों का अब कुछ कर्ज चुकाना है
जलधारा को शुद्ध, पुनः अमृत की तरह बनाना है।
मात नर्मदा...

मां पयस्विनी, प्यास बुझाती, खेत सींचती है अपने
देती ज्योति, ऊर्जा देती, सच करती सुख के सपने।
सोचें जिससे पाया सब कुछ, उसे दिया है क्या हमने
नगर-गांव का कचरा डाला, छीन लिये वन के गहने।

जंगल से है नदी, नदी से हम, हमने यह जाना है
स्वच्छ नर्मदा करके अब अपना अस्तित्व बचाना है।
मात नर्मदा के प्रति...

3.
नर्मदा यात्रा गान

तेरी जय-जयकार, नर्मदा मैया तेरी जय-जयकार,
सब पर करती उपकार, नर्मदा मैया तेरी जय-जयकार।

रेवा हमारी जीवनदाता,
भुक्ति-मुक्ति की माँ है प्रदाता।
तेरे केवल दरश मात्र से,
तर जाते नर-नार।। नर्मदा मैया तेरी जय-जयकार ...

कल-कल बहती, नित नव रहती,
जन-जन का माँ, पोषण करती।
माँ करती है भक्तजनों को,
भवसागर से पार।। नर्मदा मैया तेरी जय-जयकार ...

मैकलसुता को स्वच्छ रखें हम,
यह संकल्प अभी कर लें हम।
इस पृथ्वी पर रेवा माँ है,
जन-धन का आधार।। नर्मदा मैया तेरी जय-जयकार ...

रेवा का संरक्षण करना,
माँ को सदा निर्मल है रखना।
हम सब माँ की सेवा करेंगे,
नित-नित बारम्बार।। नर्मदा मैया तेरी जय-जयकार ...

स्लोगन

1. जल बिन जीवन नहीं, फसलें कैसे उगाओगे ?
   मोक्षदायिनी विलुप्त हुई तो, मोक्ष कहाँ से पाओगे ?

2. हर हाथ से हो सेवा। स्वच्छ रहे हमारी रेवा।।

3. सुखमय जीवन पाना है। तो नर्मदा बचाना है।।

4. पौध लगाएं वृक्ष बनाएं। जीवन में यह पुण्य कमाएं।।

5. नदियों का हो पुनरुद्धार। नदियाँ जीवन का आधार।।

6. माँ नर्मदा का श्रृंगार। वृक्ष किनारे छायादार।।

7. युगों-युगों से देखा है। नर्मदा जीवन रेखा है।।

8. नहीं पूजते जो जन जल। वे हैं इस दुनिया के खल।।

9. करो न नर्मदा के संग छल। स्वर्णिम जीवन इसका जल।।

10. नदी नहीं यह जननी है। रक्षा हमको करनी है।।

11. माँ नर्मदा की ये पहचान। पानी, पत्थर, पेड़, पुराण।।